MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Low conviction rate in rape cases

डा. टी.एन. सीमा (केरल) **:** माननीय उपसभापति महोदय, मैं केरल की सिस्टर हूं लेकिन मैं आज हिन्दी में बोलना चाहती हूं। सर, आज हमने अखबार में पढ़ा है कि इंडियन पुरुष विद्यार्थी को एक German professor ने इंटर्नशिप देने से इंकार कर दिया। यह बहुत शर्म की बात है और वह कहता है कि इंडिया में बलात्कार की एक प्रॉब्लम है और यह विद्यार्थी पुरुष है। यह शर्म की बात है कि सब भारतीय पुरुषों के ऊपर रेपिस्ट की इमेज है। सर, इससे मुक्ति पाने के लिए एक ही उपाय है तथा हमें दुनिया को दिखाना है कि हम सब बलात्कार के मामले में कोई कम्प्रोमाइज नहीं करेंगे। लेकिन अभी दो दिन पहले यानी 8 मार्च को हम सब महिला सशक्तिकरण के ऊपर इतनी बात बोले और सुना भी लेकिन उस दिन भी देश के कई-कई कोनों में महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ था। क्यों ऐसी स्थिति हमारे देश में है? सर, कई बार यह प्रश्न पूछा गया है कि ऐसा बार-बार क्यों होता है। लेकिन हमें मालूम है कि बलात्कार के मामले बढ़ रहे हैं लेकिन रेप के कंविक्शन रेट कम होते जा रहे हैं। अब तो 25 प्रतिशत से कम है रेप कंविक्शन रेट। ऐसा क्यों होता है? कई बार यह प्रश्न हाउस के अंदर और बाहर भी पूछा गया है। लेकिन इसका एक ही जवाब मिलता है कि ऐसा विक्टिम के हॉस्टाइल होने की वजह से होता है, अपर्याप्त सबूत की वजह से होता है या साक्षी न मिलने की वजह से होता है। इन सब वजहों से केस कमजोर हो जाता है। लेकिन क्यों ऐसा होता है? कौन है दोषी? ये पीड़ित लोग दोषी नहीं हैं। आज भी अखबार में हमने Uber रेप केस में पढ़ा है। इसमें पीड़ित लड़की का बयान है कि एक्यूज्ड का वकील पीड़िता से बेकार के प्रश्न पूछकर, असंगत प्रश्न पूछकर उसको traumatize करता है और ऐसे केस को डिले करने की कोशिश करता है। हमारे देश में इतना मजबूत कानून होने के बावजूद भी ऐसा क्यों होता है? कमजोर है हमारा पुलिस सिस्टम, कमजोर है हमारा ज्युडिशियल सिस्टम, कितने-कितने केसेज पैंडिंग हैं? तीन साल से हम कह रहे हैं, चर्चा कर रहे हैं हर जिले में फास्ट ट्रेक कोर्ट शुरु की जाएं, लेकिन होता नहीं है। सर, दुर्भाग्य है कि हमने जस्टिस वर्मा कमेटी की रिकमंडेशन के ऊपर विस्तार से चर्चा नहीं की है। यह तो बहुत कम्प्रहेंसिव रिपोर्ट है, उसमें बहुत महत्वपूर्ण रिकमंडेशंस हैं। महोदय, मेरी विनती है तथा मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करती हूं कि जस्टिस वर्मा कमेटी की रिकमंडेशंस को विस्तार में गंभीरता से लेना चाहिए और मैं अनुरोध करती हूं कि इस विषय पर विस्तार से चर्चा करने के लिए पार्लियामेंट की एक विशेष बैठक होनी चाहिए। थैंक्यू।

श्री आनन्द शर्मा (राजस्थान) **:** महोदय, मैं इसका समर्थन करता हूं।

श्री गुलाम नबी आज़ाद (जम्मू और कश्मीर) **:** सर, मैं भी इसका समर्थन करता हूं।

†شری غلام نبی آزاد (جموں وکشمیر) : سر، میں بھی اس کس سمرتھن کرتا

श्री विवेक गुप्ता (पश्चिमी बंगाल) **:** सर, मैं भी एसोसिएट करता हूं।

श्री गुलाम रसूल बलियावी (बिहार) **:** सर, मैं भी इसका समर्थन करता हूं।

†شری غلام رسول بلیاوی (بہار) : سر، میں بھی اس کا سمرتھن کرتا ہوں

---

† Transliteration in Urdu script.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (UTTAR PRADESH): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI PAVAN KUMAR VARMA (BIHAR): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ARVIND KUMAR SINGH (UTTAR PRADESH): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K.N. BALAGOPAL (KERALA): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI JHARNA DAS BAIDYA (TRIPURA): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M.P. ACHUTHAN (KERALA): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (TAMIL NADU): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI DARSHAN SINGH YADAV (UTTAR PRADESH): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ALI ANWAR ANSARI (BIHAR): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the names of the hon. Members, who have associated themselves with it, may be included.

श्री अली अनवर अंसारी : सीमा जी केरल की महिला हैं, ये इतनी बढ़िया हिन्दी बोली हैं। आपको इनकी हौसला-अफ़ज़ाई करनी चाहिए।

श्री उपसभापति : अंसारी जी, हिन्दी अच्छी बोली, इसके लिए You have to give the certificate because I don't know Hindi very well. Then, how can I give a certificate? ...(*Interruptions*)...

श्री अली अनवर अंसारी : सर, अब तो आप भी अच्छी हिन्दी बोलने लगे हैं। (**व्यवधान**)...